IB DIPLOMA PROGRAMME
PROGRAMME DU DIPLÔME DU BI
PROGRAMA DEL DIPLOMA DEL BI

M06/1/A1HIN/SP2/HIN/TZ0/XX

**HINDI A1 – STANDARD LEVEL – PAPER 2**
**HINDI A1 – NIVEAU MOYEN – ÉPREUVE 2**
**HINDI A1 – NIVEL MEDIO – PRUEBA 2**

Tuesday 23 May 2006 (afternoon)
Mardi 23 mai 2006 (après-midi)
Martes 23 de mayo de 2006 (tarde)

1 hour 30 minutes / 1 heure 30 minutes / 1 hora 30 minutos

---

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

- Do not open this examination paper until instructed to do so.
- Answer one essay question only. You must base your answer on at least two of the Part 3 works you have studied. You may include in your answer a discussion of a Part 2 work of the same genre if relevant. Answers which are not based on a discussion of at least two Part 3 works will not score high marks.

INSTRUCTIONS DESTINÉES AUX CANDIDATS

- N'ouvrez pas cette épreuve avant d'y être autorisé(e).
- Traitez un seul sujet de composition. Vous devez baser votre réponse sur au moins deux des œuvres de la 3e partie que vous avez étudiées. Le cas échéant, vous pouvez inclure dans votre réponse une discussion sur une œuvre du même genre littéraire étudiée dans la 2e partie du programme. Les réponses qui ne sont pas basées sur au moins deux des œuvres de la 3e partie n'obtiendront pas une note élevée.

INSTRUCCIONES PARA LOS ALUMNOS

- No abra esta prueba hasta que se lo autoricen.
- Elija un tema de redacción. Su respuesta deberá basarse en al menos dos de las obras estudiadas en la Parte 3. Se podrán hacer comentarios sobre una obra de la Parte 2 del mismo género, si fuera necesario. Las respuestas que no incluyan una discusión sobre al menos dos obras de la Parte 3 no recibirán notas altas.

नीचे लिखे हुए विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए। इस भाग में आपका उत्तर भाग ३ की पढ़ी हुई रचनाओं में से कम से कम दो रचनाओं पर आधारित होना चाहिए। आप भाग २ में पढ़ी हुई इसी प्रकार की कृतियों की व्यवहारिक चर्चा कर सकते /सकती हैं परन्तु ये भाग तीन में पढ़ी हुई दो कृतियों से अतिरिक्त होनी चाहिए। आप अन्य कृतियों की चर्चा कर सकते हैं परन्तु आपका निबन्ध इन पर आधारित नहीं होना चाहिए।

## कविता

१ **क** अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि कविता के विषयवस्तु व उद्देश्य को समझाने के लिए कवि ने कौन से काव्य साधनों व तत्वों का प्रयोग किया गया है।

या

**ख** कविता मानव मन के आंतरिक उद्गारों की आंतरिक अभिव्यक्ति है। अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कविताओं के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

## उपन्यास

२ **क** उपन्यास के कथोपकथन कथा विकास के साथ साथ चरित्र चित्रण में भी पूर्णतः सहायक हैं। अपने पढ़े हुए दो या तीन उपन्यासों के आधार पर इस कथन की समीक्षा करें।

या

**ख** अपने पढ़े हुए दो या तीन उपन्यासों की तुलना करते हुए बताइए कि उनमें उपन्यासकार मानव के यथार्थ जीवन , घटनाओं एवं चरित्रों को प्रस्तुत करने में कहाँ तक सफल रहा है ?

## कहानी

३ **क** अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कहानियों के आधार पर तुलना कीजिए कि उन पर युगीन परिवेश का गहरा प्रभाव पड़ा है और तत्कालीन परिस्थितियाँ कहानी की घटनाओं को आगे बढ़ाने में सहायक रही है ।

या

**ख** आज की कहानी सामाजिक यथार्थ की कहानी न होकर व्यक्ति – मन के विश्लेषण की कहानी है। अपनी पढ़ी हुई दो या तीन कहानियों के आधार पर उपर्युक्त कथन के पक्ष अथवा विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करें।

## नाटक

४ **क** नाटक की सफलता पात्रों के स्वतंत्र व्यक्तित्व और एक स्पष्ट उद्देश्य पर निर्भर करती है।अपने पढ़े हुए किन्हीं दो या तीन नाटकों के आधार पर उनके उद्देश्य एवं चरित्रों की तुलना कीजिए।

या

**ख** आज के नाटकों में जीवन का एक पहलू , एक विशेष घटना एवं एक विशेष परिस्थिति का चित्रण मिलता है।अपने पढ़े हुए किन्हीं दो या तीन नाटकों के आधार पर उपर्युक्त कथन की समीक्षा करें।

## निबंध

५ **क** निबंध का रोचक होना उसकी सफलता के लिए आवश्यक है ताकि सामान्य पाठक भी उसे समझ सके। अपने पढ़े हुए दो या तीन निबन्धों की तुलना कर बताइए कि क्या हिन्दी के निबन्ध सफल माने जा सकते हैं?

या

**ख** निबन्धों के विषय-क्षेत्र में व्यापकता और विविधता देखने को मिलती है । निबन्धों में वैयक्तिकता के साथ साथ सामाजिकता के भी दर्शन होते हैं। अपने पढ़े हुए दो निबन्धों की विषय वस्तु के आधार पर समीक्षा करें।

## साधारण प्रश्न

६ **क** किसी भी रचना का अंतिम भाग भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना प्रारंभिक। सुखान्त व दुखान्त रचनाओं पर विचार विमर्श करते हुए उपर्युक्त कथन की विवेचना कीजिए।

या

**ख** साहित्य समाज का दर्पण मात्र न होकर उसका नियामक और उन्नायक भी है। अपनी पढ़ी कृतियों के आलोक में उपर्युक्त कथन की समीक्षा करें।

या

**ग** साहित्य मानवीय संवेदनाओं की अनुभूति का उत्कृष्ट साधन है। अपनी पढ़ी रचनाओं के आधार पर इसकी पुष्टि करें।

या

**घ** जिन साहित्यिक कृतियों को आपने पढ़ा है उनके उद्देश्यों की तुलना करते हुए यह बताइए कि लेखक पाठकों को प्रभावित करने में कहाँ तक सफल रहा है?